Available online at http://www.nrjp.co.in

Journal of Management Science, Operations & Strategies
Vol. 3, Issue, 03. 44-54p, Dec, 2019

National Research & Journal Publication

Review Article

mÙkj çn'k e lgdkjh ,o xkeh.k cdk dh ;ktukvk dk ryukRed v/;;u

M, lejæ 'kDyk
अस्सिस्टेंट प्रोफेसर
श्री गणेश इंटर कालिज कासगंज
फर्रुखाबाद उत्तर प्रदेश

सारांश

सहकारी बैंकों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने प्रदेश में ग्रामीण वित्त के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। इन बैंकों के गठन का मुख्य उद्देश्य ही ग्रामीण वित्त का विकास करना था। प्रदेश में ग्रामीण वित्त के विकास में इन बैंकों का अलग–अलग महत्व जानने के लिये इन बैंकों की आपस में तुलना करके यह ज्ञात करना होगा कि इन बैंकों में से किस बैंक ने ग्रामीण वित्त के विकास में कितना योगदान प्रदान किया है तथा तुलनात्मक रूप से किसका योगदान अधिक है।

मुख्यशब्द: *ग्रामीण वित्त के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका, तुलनात्मक रूप से योगदान*

Copyright©2019, M, lejæ 'kDyk *This is an open access article for the issue release and distributed under the NRJP Journals License, which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.*

iLrkouk &

सहकारी एवं ग्रामीण बैंकों की तुलना निम्नलिखित बिन्दुओं पर की जा सकती है रू

(१) xkeh.k foy lok dk vk/kkj ij – सहकारी बैंकों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की ग्रामीण वित्त सेवा के आधार पर निम्न क्षेत्रों में तुलना की जा सकती है

अ. ऋण वितरण के आधार पर ।

ब. कृषि साख के आधार पर।

स. उद्योग साख के आधार पर।

द. सेवा साख के आधार पर।

अ- _.k forj.k dk vk/kkj ij

ऋण वितरण के आधार पर सहकारी बैंकों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की तुलना करने पर जहां वर्ष 2001–02 में जिला सहकारी बैंकों ने 1,18,360.71 लाख रुपये के ऋण उत्तर प्रदेश में वितरित किये, वहीं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने 1,42,053.10 लाख रुपये के ऋण वितरित किये । इन दोनों के ऋणों का प्रतिशत के आधार पर अवलोकन करें तो ज्ञात होता है कि जहां क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रतिशत 54. 55 था, वहीं जिला सहकारी बैंकों का प्रतिशत 45.45 था।

वर्ष 2002–03 में सहकारी बैंकों के 1,24,937.53 लाख रुपये के ऋण वितरण सापेक्ष क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का ऋण वितरण 1,90,172.37 लाख रुपये था।

प्रतिशत के रूप में सहकारी बैंकों का प्रतिशत घटकर 39.65 हो गया, वहीं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रतिशत बढ़कर 60.35 हो गया।

वर्ष 2003—04 में सहकारी बैंकों ने 1,34,312.12 लाख रुपये वितरित किये, जबकि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने 2,51,839. 49 लाख रुपये वितरित किये । प्रतिशत के रूप में जहां क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रतिशत बढ़कर 65.32 हो गया, वहीं सहकारी बैंकों का प्रतिशत घटकर 34.78 रह गया।

वर्ष 2004—05 में सहकारी बैंकों ने 1,52,997.81 लाख रुपये वितरित किये, जबकि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने 3,59,941. 94 लाख रुपये वितरित किये । प्रतिशत के रूप में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रतिशत बढ़कर 70.17 हो गया, वहीं सहकारी बैंकों का प्रतिशत 29.83 ही रह गया।

वर्ष 2005—06 में सहकारी बैंकों ने जहां 1,62,701.09 लाख रुपये के ऋण वितरित किये, वहीं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने 4,11,787.17 लाख रुपये के ऋण वितरित किये। इस प्रकार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रतिशत 71.68 रहा, वहीं सहकारी बैंकों का प्रतिशत 28.32 ही रह गया।

सहकारी बैंक एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा वितरित ऋणों को निम्न तालिका द्वारा सरलता से प्रस्तुत किया जा सकता है —

जिला सहकारी बैंक एवं क्षेत्रीय बैंक द्वारा उत्तर प्रदेश में ऋण वितरण

वर्ष	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	जिला सहकारी बैंक	योग	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का %	जिला सहकारी बैंक का %
2001—02	142053.10	118360.73	260413.83	54.55	45.45
2002—03	190172.37	124937.53	315109.90	60.35	39.65
2003—04	251839.49	134312.12	386151.61	65.22	34.78
2004—05	359941.84	152997.81	512939.65	70.17	29.83
2005—06	411787.17	162701.09	574488.26	71.68	28.32

सहकारी बैंक एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा वितरित ऋण को रेखाचित्र की सहायता से और अधिक स्पष्ट किया जा सकता है —

स्रोत रू उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड की बैलेन्स शीट्स एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की वार्षिक रिपोट्स

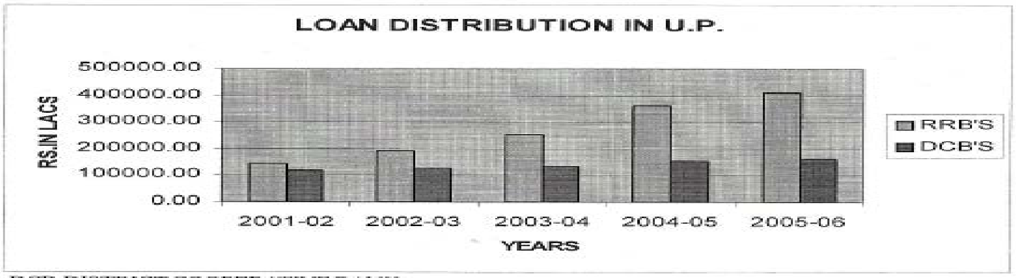

DCB:DISTRICT COOPERATIVE BANK
RRB:REGIONAL RURAL BANK

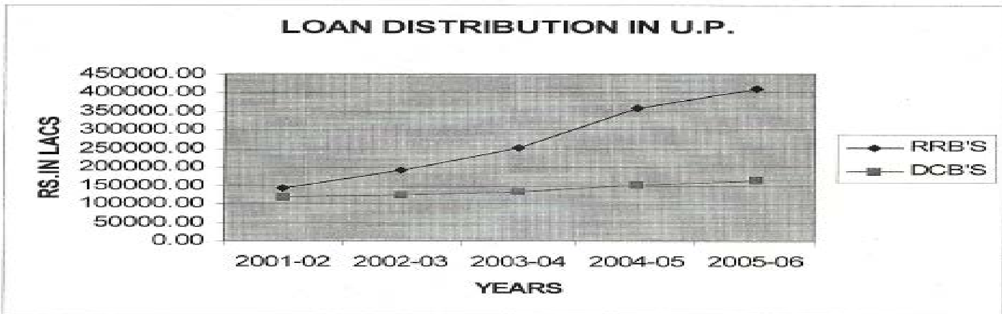

ब. —f"k lkjo d: vk/kkj ij

जिला सहकारी बैंकों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना का उद्देश्य ही कृषि साख को बढ़ावा देना है। अतः उत्तर प्रदेश में इन बैंकों ने कृषि साख को बढ़ाने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। वर्ष 2004–05 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने जहां कृषि ऋण के निर्धारित लक्ष्य 2,42,996 लाख रुपये के सापेक्ष 2,61,930. 60 लाख रुपये के ऋण वितरित किये, जो निर्धारित लक्ष्य का 107. 79 प्रतिशत था, वहीं जिला सहकारी बैंकों ने निर्धारित लक्ष्य 2,70,163 लाख रुपये के सापेक्ष 1,51,834.74 लाख रुपये का ऋण वितरित किया। जो कि निर्धारित लक्ष्य का 56.20 प्रतिशत ही था। ऋऋऋ वर्ष 2005–06 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने निर्धारित लक्ष्य 304973 लाख रुपये के सापेक्ष 3,20,575.80 लाख रुपये के ऋण वितरित किये, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 105.12 प्रतिशत था, जबकि जिला सहकारी बैंकों ने निर्धारित लक्ष्य 317717 लाख रुपये के सापेक्ष 159759.94 लाख रुपये का ऋण वितरित किया, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 50.28 प्रतिशत था। जिला सहकारी बैंकों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के ऋण वितरण को अग्रांकित तालिका द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है –

जिला सहकारी बैंक एवं क्षेत्रीय बैंक द्वारा उत्तर प्रदेश में कृषि ऋण वितरण

(धनराशि लाख रुपयों में)

वर्ष	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक			जिला सहकारी बैंक		
	लक्ष्य	उपलब्धि	प्रतिशत	लक्ष्य	उपलब्धि	प्रतिशत
2004–05	242996.00	261930.60	107.79	270163.00	151834.74	56.20
2005–06	304973.00	320575.80	105.12	317717.00	159759.94	50.28

सहकारी बैंक एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा वितरित कृषि ऋण को निम्नांकित रेखाचित्र की सहायता से और अधिक स्पष्ट किया जा सकता है –

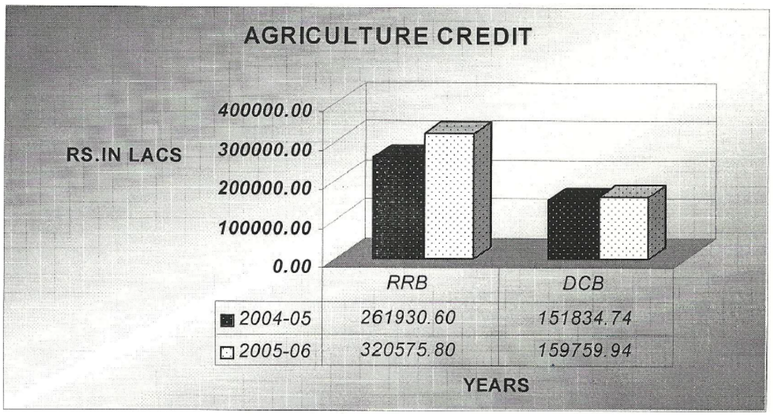

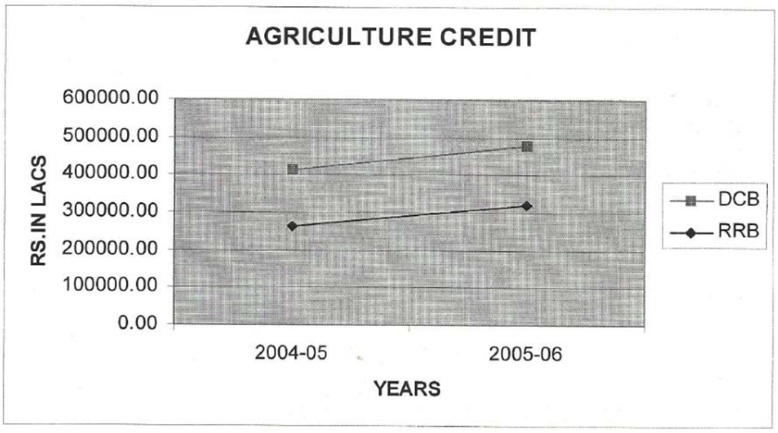

स. m|kx lkj[k d: vk/kkj ij

उत्तर प्रदेश में सहकारी बैंक उद्योग के लिये ऋण उपलब्ध नहीं कराते हैं, जबकि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक उद्योग के लिये भी ऋण वितरित करते हैं। यह ऋण लघु एवं कुटीर उद्योगों को प्रदान किये जाते हैं। वर्ष 2004–05 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने अपने निर्धारित लक्ष्य 18060.05 लाख रुपये के सापेक्ष 11572.01 लाख रुपये के उद्योग ऋण वितरित किये, जो निर्धारित लक्ष्य का 64.80 प्रतिशत था, जबकि वर्ष 2005–06 में निर्धारित लक्ष्य 21598.00 लाख रुपये के सापेक्ष 11514. 62 लाख रुपये के ऋण वितरित किये गये, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 53.71 प्रतिशत ही रह गया। इससे स्पष्ट होता है कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक उद्योगों को ऋण देने में उदासीन रहे हैं तथा इनके ऋण का मुख्य केंद्र कृषि ऋण ही रहे हैं।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक द्वारा उद्योग साख सेवा

(धनराशि लाख रुपयों में)

वर्ष	लक्ष्य	उपलब्धि	प्रतिशत
2004–05	18060.05	11572.01	64.08
2005–06	21598.00	11514.62	53.31

द- l|ok lkjo d| vk/kkj ij

उत्तर प्रदेश में सहकारी बैंक सेवा क्षेत्र के लिये भी साख उपलब्ध नहीं कराते हैं, जबकि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सेवा क्षेत्र के लिये भी साख उपलब्ध कराते हैं। सेवा साख के अन्तर्गत प्रोफेशनलों को प्रदान किया गया ऋण आता है। वर्ष 2004–05 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ने अपने निर्धारित लक्ष्य 53781.15 लाख रुपये के सापेक्ष 58229.83 लाख रुपये के सेवा ऋण उपलब्ध कराये जो निर्धारित लक्ष्य का 108. 27 प्रतिशत था। वहीं वर्ष 2005–06 में निर्धारित लक्ष्य 60127.00 लाख रुपये के सापेक्ष 55859.90 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध कराया, जो कि निर्धारित लक्ष्य 92.90 प्रतिशत था। इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण बैंक प्रोफेशनलों को ऋण देने में उदासीन ही रहे हैं। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा सेवा सारव सेवा

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा सेवा सारव सेवा

(धनराशि लाख रुपयों में)

वर्ष	लक्ष्य	उपलब्धि	प्रतिशत
2004—05	53781.15	58229.83	108.27
2005—06	60127.00	55859.90	92.90

(२) _.k ol|yh dh fLFkfr d| vk/kkj ij

सहकारी बैंकों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की ऋण वसूली की स्थिति की तुलना निम्न आधारों पर की जा सकती है –

अ. कुल देय के आधार पर ।

ब. कृषि देय के आधार पर द्य

अ. d|y n|; d| vk/kkj ij – सहकारी बैंकों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की उत्तर प्रदेश में ऋण वसूली का अध्ययन करने पर जहां वर्ष 2002–03 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने 1,86,805.34 लाख की मांग के सापेक्ष जहां 1,24,367.78 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल मांग की 66.58 प्रतिशत थी, वहीं सहकारी बैंकों ने कुल मांग 2,85,099.84 लाख रुपये के सापेक्ष 1,33,195.02 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल मांग का 46.72 प्रतिशत था।

वर्ष 2003–04 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको ने कुल मांग 2,30,745.43 लाख रुपये की तुलना में 1,60,248.67 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल मांग का 69.45 प्रतिशत थी जबकि सहकारी बैंकों ने कुल मांग 3,06,869.60 लाख रुपये की तुलना में 1,46,913.62 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल मांग का 47.87 प्रतिशत

था। . ऋऋऋ वर्ष 2004–05 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने कुल मांग 2,85,363.37 लाख रुपये के सापेक्ष 2,09,969.49 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल मांग का 73.58 प्रतिशत थी, वहीं सहकारी बैंकों ने कुल मांग 3,32,719.70 लाख रुपये के सापेक्ष 1,73,068.16 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल मांग का 52.02

प्रतिशत था। ऋऋऋ वर्ष 2005–06 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने कुल मांग 3रू40,549.62 लाख रुपये की तुलना में 2,61,022.21 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल मांग का 76.65 प्रतिशत थी, जबकि सहकारी बैंकों ने कुल मांग 3,43,747.07 लाख रुपये की तुलना में 1,78,426.38 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल मांग 51.91 प्रतिशत थी।

वर्ष 2003–04 से वर्ष 2005–06 तक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों दोनों के वसूली प्रतिशत में वृद्धि हुई है, परन्तु जहां क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का वसूली प्रतिशत 66.58 प्रतिशत से बढ़कर 76.65 प्रतिशत हो गया, वहीं सहकारी बैंकों ने इसकी तुलना में अपेक्षाकृत कम वृद्धि की है। उनका प्रतिशत वर्ष 2002–03 के 46. 72 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2005–06 में बढ़कर 51.91 प्रतिशत ही हो पाया।

सहकारी बैंक एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की ऋण वसूली को अग्रलिखित तालिका द्वारा स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है –

कुल देय के आधार पर ऋण वसूली की स्थिति

वर्ष	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक			सहकारी बैंक		
	मांग	वसूली	प्रतिशत	मांग	वसूली	प्रतिशत
2002–03	186805.34	124367.78	66.58	285099.84	133195.02	46.72
2003–04	230745.43	160248.67	69.45	306869.60	146913.62	47.87
2004–05	285363.37	209969.49	73.58	332719.70	173068.16	52.02
2005–06	340549.62	261022.21	76.65	343747.07·	178426.38	51.91

सहकारी बैंक एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा वितरित कृषि ऋण को निम्नलिखित रेखाचित्र की सहायता से और अधिक स्पष्ट किया जा सकता है –

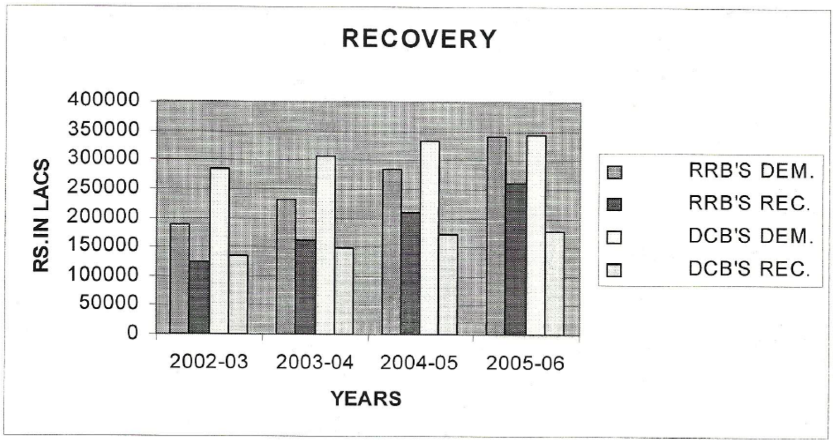

c- —f"k n; d vk/kkj ij

सहकारी बैंकों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की कृषि ऋण वसूली के आधार पर तुलना करने पर जहां वर्ष 2002–03 में क्षेत्रीय

ग्रामीण बैंकों ने कुल कृषि मांग 131193. 02 लाख रुपये की तुलना में 83022.87 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल कृषि मांग की तुलना में 63.28 प्रतिशत थी, वहीं सहकारी बैंकों ने कुल कृषि मांग 213025.98 लाख रुपये की तुलना में 52575.18 लाख रुपये वसूल किये, जो कुल कृषि मांग का 24.68 प्रतिशत था। ऋऋऋ वर्ष 2003–04 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने कुल कृषि मांग 158313.28 लाख की मांग की तुलना में 108997.73 लाख रुपये की वसूली की, जो कुल कृषि मांग की 68.85 प्रतिशत थी, जबकि सहकारी बैंक ने कुल कृषि मांग 234226.21 लाख की तुलना में 69198.35 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल कृषि मांग का 29. 54 प्रतिशत था। ऋऋऋ वर्ष 2004–05 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने कुल कृषि मांग 207278.68 लाख रुपये की मांग की तुलना में 158597.40 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल मांग का 76. 51 प्रतिशत था, जबकि सहकारी बैंकों ने कुल कृषि मांग 246846.41 लाख की तुलना में 83923.27 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल कृषि मांग का 34 प्रतिशत था। वर्ष 2005–06 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ने कुल कृषि मांग 237243.42 लाख रुपये की तुलना में 183009.03 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल मांग की 77.14 प्रतिशत थी। वहीं सहकारी बैंक ने कुल कृषि मांग 261008. 83 लाख रुपये की तुलना में 78947.99 लाख रुपये की वसूली की, जो कि कुल मांग का 30. 25 प्रतिशत थी।

सहकारी एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की कृषि ऋण वसूली की स्थिति

(धनराशि लाख रुपये में)

वर्ष	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक			सहकारी बैंक		
	मांग	वसूली	प्रतिशत	मांग	वसूली	प्रतिशत
2002–03	131193.02	83022.87	63.28	213025.98	52575.18	24.68
2003–04	158313.28	108997.73	68.85	234226.21	69198.35	29.54
2004–05	207278.68	158597.40	76.51	246846.41	83923.27	34.00
2005–06	337243.42	183009.03	77.14	261008.83	78947.99	30.25

३. xkeh.k foÙk iqufoÙkh;u dk vk/kkj ij

नाबार्ड द्वारा ग्रामीण वित्त को बढ़ावा देने के लिये क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों एवं सहकारी बैंकों के ऋणों की सुविधा के लिये पुनर्वित्तीयन किया जाता है। नाबार्ड क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को सीधे पुनर्वित्त की सेवा उपलब्ध कराता है, जबकि जिला सहकारी बैंकों को राज्य सहकारी बैंकों के माध्यम से पुनर्वित्त उपलब्ध कराता है।

वर्ष 2001–02 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को 18263 लाख रुपये का पुनर्वित्त विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रदान किया गया, जो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा कुल दिये

हुये ऋणों का 12.86 प्रतिशत था। जबकि सहकारी बैंकों को 554 लाख रुपये का ही पुनर्वित्त प्रदान किया गया, जो कि सहकारी बैंकों द्वारा कुल वितरित ऋण का मात्र 0.47 प्रतिशत ही था।

वर्ष 2002–03 में नाबार्ड ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को 40113 लाख रुपये का पुनर्वित्त उपलब्ध कराया, जो कि कुल वितरित ऋण का 21.09 प्रतिशत था, जबकि सहकारी बैंकों को 6356 लाख रुपये का पुनर्वित्त प्रदान किया गया, जो 1901 कि कुल वितरित ऋण का 5.09 प्रतिशत ही था।

वर्ष 2003–04 में नाबार्ड ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को 27176 लाख रुपये का पुनर्वित्त प्रदान किया, जो कि कुल वितरित ऋण का 10.79 प्रतिशत ही था, जबकि सहकारी बैंकों को 14740 लाख रुपये का पुनर्वित्त प्रदान किया गया, जो कि कुल वितरित ऋण का 10.97 प्रतिशत था। ऋऋ वर्ष 2004–05 में नाबार्ड ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को 31133 लाख रुपये का पुनर्वित्त प्रदान किया, जो कि वितरित ऋण का 8.65 प्रतिशत था, जबकि सहकारी बैंकों को नाबार्ड द्वारा 362 लाख रुपये का पुनर्वित्त प्रदान किया गया, जो कि वितरित ऋण का मात्र 0.24 प्रतिशत ही था।

वर्ष 2005–06 में नाबार्ड ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को 28259 लाख रुपये का पुनर्वित्त प्रदान किया जो कि वितरित ऋण का 6. 86 प्रतिशत था, जबकि सहकारी बैंकों को 789 लाख रुपये का पुनर्वित्त प्रदान किया गया, जो कि कुल वितरित ऋण का मात्र 0.48 प्रतिशत ही था।

उत्तर प्रदेश में नाबार्ड द्वारा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों तथा सहकारी बैंकों को पुनर्वित्तीयन

(धनराशि लाख रुपये में)

वर्ष	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक			सहकारी बैंक		
	वितरित ऋण	पुनर्वित्तीय	प्रतिशत	वितरित ऋण	पुनर्वित्तीय	प्रतिशत
2001–02	142053	18263	12.86	118361	554	0.47
2002–03	190172	40113	21.09	124938	6356	5.09
2003–04	251839	27176	10.79	134312	14740	10.97
2004–05	359942	31133	8.65	152998	362	0.24
2005–06	411787	28259	6.86	162701	789	0.48

सहकारी बैंकों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को नाबार्ड द्वारा पुनर्वित्तीयन की स्थिति को अग्रलिखित रेखाचित्रों की सहायता से प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है – 191

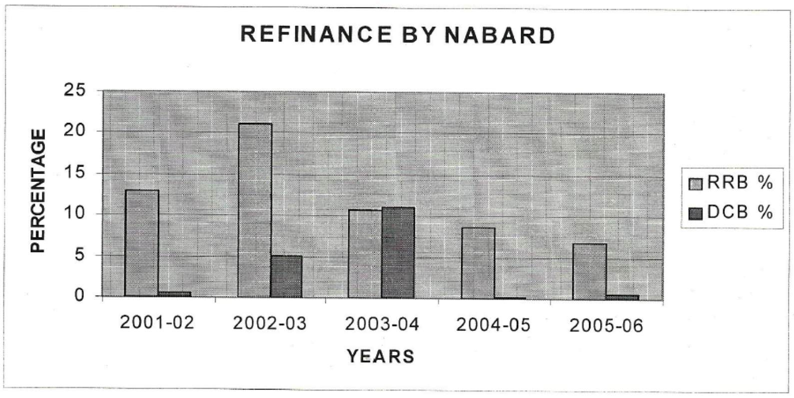

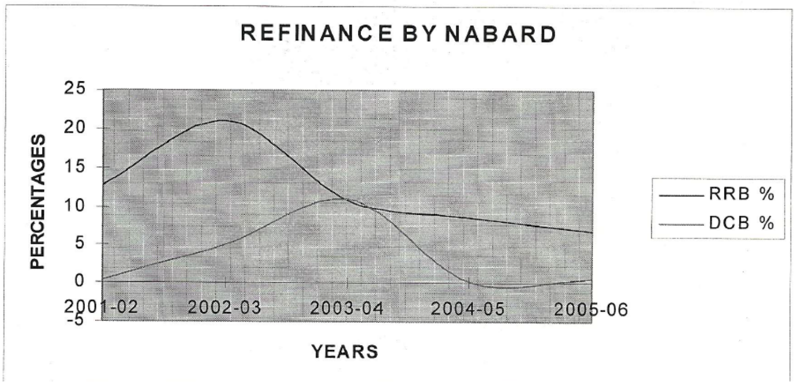

†-vU;

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों की तुलना निम्न आधारों पर भी की जा सकती है अ. साखदृजमा एवं साख विनियोग जमा अनुपात के आधार पर

ब. किसान क्रेडिट कार्ड / फसल ऋण के आधार पर ।

स. शाखा विस्तार के आधार पर ।

v-lkj[k& tek,o lkj[kfofu;kx

जमा अनुपात के आधार पर साख जमा अनुपात (C:D ratio) एवं साख विनियोग जमा अनुपात (C+I:D ratio) के आधार पर तुलना करने पर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का उत्तर प्रदेश में ब्रूक तंजपव जहां वर्ष 2004–05 में 41.41 प्रतिशत था, वहीं वर्ष 2005–06 में 44. 69 प्रतिशत हो गया, जबकि सहकारी बैंकों का ब्रूक तंजपव जहां वर्ष 2004–05 में 120.25 प्रतिशत था, वहीं वर्ष 2005–06 में 119.22 प्रतिशत ही रह गया । अतः जहां क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के अनुपात में 3.28 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं सहकारी बैंकों के अनुपात में 1.03 प्रतिशत की कमी हुई।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का साख़विनियोग जमा अनुपात, जो वर्ष 2004–05 में 88.09 प्रतिशत था, वहीं वर्ष 2005–06 में यह अनुपात 95.61 प्रतिशत हो गया, जबकि सहकारी बैंकों का साख़विनियोग जमा अनुपात वर्ष 2004–05 में 162. 06 प्रतिशत था, जो वर्ष 2005–06 में 167.09 प्रतिशत हो गया, अतः जहां क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के साख़विनियोग जमा अनुपात में 7.

52 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं सहकारी बैंकों के साख़विनियोग जमा अनुपात में 5.03 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

ब. किसान क्रेडिट कार्ड/फसल ऋण के आधार पर

आधार	संस्था	अवधि (वर्ष)		वृद्धि / कमी
		2004—05	2005—06	
साख जमा अनुपात	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	41.41%	44.69%	(+) 3.28%
	सहकारी बैंक	120.25%	119.22%	(-)1.03%
साख+विनियोग जमा अनुपात	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	88.09%	95.61%	(+) 7.52%
	सहकारी बैंक	167.09%	167.09%	(+) 5.03%

उत्तर प्रदेश बैंकर्स कमेटी की वार्षिक रिपोर्ट्स । 1931 किसान क्रेडिट कार्ड ६ फसल ऋण के आधार पर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों एवं सहकारी बैंकों की तुलना करने पर ज्ञात होता है कि वर्ष 2005—06 में उत्तर प्रदेश सरकार ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को 781593 कार्ड तथा 138779.96 लाख रुपये का लक्ष्य दिया, जिसके सापेक्ष क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने 626693 लाख कार्ड निर्गमित किये तथा किसान क्रेडिट कार्डों के माध्यम से 240918.52 लाख रुपये की साख वितरित की, जबकि सहकारी बैंकों ने अपने निर्धारित लक्ष्य 4 लाख कार्ड तथा 175000 लाख रुपये के सापेक्ष 381467 कार्ड तथा 159310.10 लाख रुपये के ऋण वितरित किये।

कार्ड वितरण के आधार पर तुलना करने पर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने अपने निर्धारित लक्ष्य के 80.18 प्रतिशत कार्ड वितरित किये, जबकि सहकारी बैंकों ने निर्धारित लक्ष्य का 95.37 प्रतिशत कार्ड वितरित किये।

साख वितरण के आधार पर तुलना करने पर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने अपने लक्ष्य की तुलना में 173.60 प्रतिशत साख वितरित की, जबकि सहकारी बैंक ने अपने लक्ष्य की तुलना में 91.03 प्रतिशत साख निर्गमित की।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों एवं सहकारी बैंकों द्वारा किसान कार्ड ६ फसल ऋण वितरण को अग्रलिखित सारणी द्वारा अधिक स्पष्ट किया जा सकता है —

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों एवं सहकारी बैंकों द्वारा किसान कार्ड/फसल ऋण वितरण सारणी

(धनराशि लाखों में)

क्र. सं.	बैंक	लक्ष्य		उपलब्धि		प्रतिशत	
		संख्या	धनराशि	संख्या	धनराशि	संख्या	धनराशि
1	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	781593	138779.96	626693	240918.52	80.18	173.60
2	सहकारी बैंक	400000	175000.00	381467	159310.10	95.37	91.03

स- 'kk[kk foLrkj d: vk/kkj ij

शाखा विस्तार के आधार पर तुलना करने पर जहां क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की शाखा संख्या वर्ष 2003–04 में 2844 थी, जो कि वर्ष 2004–05 में 2851 तथा

स वर्ष 2005–06 में 2854 हो गयी, जबकि सहकारी बैंक की शाखा संख्या वर्ष 2003–04 में 1353 थी, जो कि वर्ष 2004–05 में 1306 तथा वर्ष 2005–06 में 1311 हो गयी। इस प्रकार जहां ग्रामीण बैंकों की शाखाओं में वृद्धि हुई, वहीं सहकारी बैंकों की शाखाओं में कमी हुई है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एवं सहकारी बैंक का शाखा विस्तार वर्ष सहकारी बैंक

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एवं सहकारी बैंक का शाखा विस्तार

वर्ष	सहकारी बैंक	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
2003–04	1353	2844
2004–05	1306	2851
2005–06	1311	2854